9

हमारे उद्योग

आकार के हिसाब से भारत दुनिया का सातवां सबसे बड़ा देश है। जनसंख्या के आधार पर भी हम दुनिया में दूसरे स्थान पर हैं। भारत प्राकृतिक संसाधनों में समृद्ध है। पहले भारतीय अर्थव्यवस्था कृषि और कृषि उत्पादों पर आधारित थी। लेकिन समय के साथ उद्योगों के स्वरूप में भी परिवर्तन हुआ। अब भारतीय उद्योग जगत में सेवा उद्योग एक बड़ी भूमिका निभाता है। इस पाठ में हम उद्योगों के प्रकार और उनके कार्य की प्रकृति के बारे में पढ़ेंगे।

उद्देश्य

इस पाठ का अध्ययन करने के पश्चात् आप–

- विभिन्न प्रकार के उद्योगों की व्याख्या कर सकेंगे; और
- विभिन्न औद्योगिक उत्पादों के बारे में जान सकेंगे।

9.1 उद्योगों के प्रकार

उद्योगों के मुख्यत: दो प्रकार है–

1. सूक्ष्म उद्योग
2. वृहद उद्योग

सूक्ष्म और वृहद उद्योग राष्ट्र के विकास में सहायता करते हैं। ये बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार भी उपलब्ध कराते हैं। कच्चे माल की उपलब्धता के आधार पर उन्हें निम्न प्रकार में वर्गीकृत किया जा सकता है–

1. वन आधारित उद्योग, 2. पशु आधारित उद्योग, 3. कृषि उत्पाद आधारित उद्योग, 4. खनिज आधारित उद्योग और 5. समुद्र आधारित उद्योग।

9.2 सूक्ष्म उद्योग

कुछ लोग घर पर किसी अन्य छोटे स्थान पर अत्यावश्यक मशीनों की सहायता से वस्तुओं का निर्माण करते हैं। ऐसे निर्माण इकाइयां सूक्ष्म उद्योग कहलाती है। चमड़ा उद्योग, लकड़ी की सामग्री निर्माण, हथकरघा आदि इस प्रकार के उद्योगों के कुछ उदाहरण हैं।

9.3 वृहद् उद्योग

वे उद्योग जो बड़ी मात्रा में लोगों को रोजगार देकर और बड़ी मशीनों का प्रयोग कर बड़े स्तर पर वस्तुओं का निर्माण करते हैं, वह वृहद् उद्योग कहे जाते हैं। शक्कर, सीमेंट, वाहन निर्माण, रेडियो–टी.वी. निर्माण आदि वृहद् उद्योग के अंतर्गत आते हैं।

9.4 वन आधारित उद्योग

वन से हमें लकड़ी, बांस, घास और औषधीय वनस्पतियां प्राप्त होती हैं। वनों से प्राप्त इन पदार्थों से लकड़ी का सामान, डिब्बे, माचिस की तीलियां, कागज और औषद्यियों का निर्माण उद्योगों द्वारा किया जाता है। इसके अलावा मधुमक्खी पालन कर उनका शहद भी प्राप्त किया जाता है।

9.5 पशु आधारित उद्योग

चप्पल, जूते, बैग, कपड़े और चमड़े से बनी अन्य वस्तुएं हमें पशुपालन से प्राप्त होती हैं। इसके अलावा भेड़ से ऊन, गाय व भैंस से दूध व अन्य दुग्ध उत्पाद तथा मुर्गीपालन आदि जैसे उद्योग पशुओं से प्राप्त उत्पादों पर निर्भर है।

9.6 कृषि आधारित उद्योग

तिलहन से तेल का निर्माण, कपास से वस्त्र निर्माण, गन्ने से शक्कर का निर्माण आदि जैसे उद्योग कृषि से प्राप्त उत्पादों पर आधारित हैं। कृषि अपने आप में एक स्वतंत्र व्यवसाय हैं।

9.7 खनिज आधारित उद्योग

लौह व इस्पात का निर्माण लोहे से किया जाता है। यह लोहा हमें खदानों से मिलता है। इसी तरह अल्यूमिनियम और तांबा का उत्पादन भी किया जाता है। संगमरमर से संगमरमर की फर्शी (टाइलस) का निर्माण किया जाता है। खदानों से निकलने वाली चूना पत्थर की कोमल चट्टानों से सीमेंट का निर्माण किया जाता है।

9.8 समुद्र आधारित उद्योग

इसके अंतर्गत मत्स्य उद्योग और एक्वा कल्चर पौधे सम्मिलित हैं। समुद्र तट से प्राप्त सीपियों से सजावट के सामान का भी निर्माण किया जाता है। नमक उद्योग भी सागरीय जल पर आधारित है।

9.9 सूचना और संचार प्रौद्योगिकी

सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी ने काम करने का तरीका ही बदल दिया। इसने संपूर्ण विश्व को एक-दूसरे से जोड़ दिया। संचार के विभिन्न साधनों जैसे-दूरभाष, मोबाइल, इंटरनेट, ई-मेल आदि ने जीवन को बेहतर बना दिया है।

क्या आप जानते हैं

1. अपने आस-पास चल रहे उद्योगों की एक सूची बनाइए।
2. अपने आस पास चल रहे किसी उद्योग में जाइए और निम्न सूचनाएं एकत्र कीजिए-
   i. प्रयुक्त कच्चा माल
   ii. कर्मचारियों की संख्या
   iii. प्रयोग की जाने वाली मशीनें और
   iv. निर्मित उत्पाद

तत्पश्चात् उद्योग को वर्गीकृत कीजिए।

पाठगत प्रश्न 9.1

1. सूक्ष्म उद्योग के क्या लाभ हैं?
2. पशु आधारित दो उद्योगों का नाम लिखिए।

आपने क्या सीखा

- उद्योगों के दो प्रकार हैं-

  1. सूक्ष्म उद्योग, 2. वृहद उद्योग

- सूक्ष्म एवं वृहद उद्योग राष्ट्र के विकास में सहायता करते हैं।
- प्रयोग किये जाने वाले कच्चे माल के आधार पर उन्हें निम्न रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है-

  1. वन आधारित उद्योग

2. पशु आधारित उद्योग
3. कृषि आधारित उद्योग
4. खनिज आधारित उद्योग
5. समुद्र आधारित उद्योग

पाठांत प्रश्न

1. वन आधारित उद्योगों से निर्मित 4 उत्पादों का नाम लिखिए।
2. प्रत्येक उद्योग के किन्ही 2 उत्पादों की सूची बनाइए।